नव भारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

रक्षा उत्पादन में मध्य प्रदेश की ऐतिहासिक छलांग

मध्य प्रदेश ने औद्योगिक विकास और रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है. शिवपुरी में लगभग 2,500 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित होने जा रहे अदाणी रक्षा एवं एयरोस्पेस उत्पादन संयंत्र का शिलान्यास केवल एक औद्योगिक परियोजना नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को नई ऊर्जा देने वाला कदम है. यह परियोजना राज्य को देश के रक्षा उत्पादन मानचित्र पर मजबूत पहचान दिलाने के साथ-साथ हजारों युवाओं के लिए रोजगार के नए द्वार भी खोलेगी.

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्य प्रदेश ने पिछले कुछ वर्षों में निवेश आकर्षित करने और उद्योगों के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करने की दिशा में उल्लेखनीय कार्य किया है. सरकार की उद्योग हितैषी नीतियों, पारदर्शी प्रशासन और त्वरित निर्णय प्रक्रिया का ही परिणाम है कि देश के बड़े औद्योगिक समूह प्रदेश में दीर्घकालिक निवेश करने के लिए आगे आ रहे हैं. इससे यह स्पष्ट होता है कि निवेशकों का विश्वास मध्य प्रदेश पर लगातार मजबूत हुआ है.

शिवपुरी में बनने वाला यह रक्षा उत्पादन संयंत्र केवल हथियार और मिसाइलों का निर्माण नहीं करेगा, बल्कि अत्याधुनिक तकनीक, अनुसंधान और कौशल विकास का भी केंद्र बनेगा. यहां लगभग पांच हजार प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होने की संभावना है. स्थानीय युवाओं को आधुनिक रक्षा उद्योग से जुड़ने का अवसर मिलेगा, जिससे क्षेत्र की अर्थव्यवस्था में नई गति आएगी और पलायन की समस्या भी कम होगी. देश आज रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है. भारत अब आयातक की बजाय रक्षा उपकरणों के निर्यातक राष्ट्र बनने की दिशा में कदम बढ़ा चुका है. ऐसे समय में मध्य प्रदेश का रक्षा उत्पादन के महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में उभरना राष्ट्रीय दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है. यहां बनने वाले हथियार और रक्षा उपकरण भारतीय सेनाओं की क्षमता को और मजबूत करेंगे तथा राष्ट्रीय सुरक्षा को नई मजबूती प्रदान करेंगे.

बहरहाल, राज्य सरकार औद्योगिक विकास को केवल कारखानों तक सीमित नहीं रख रही है. शिवपुरी के लिए सड़क परियोजनाएं, नई तहसील, मेडिकल कॉलेज में आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं तथा अन्य आधारभूत विकास कार्य इस बात का प्रमाण हैं कि सरकार संतुलित और समग्र विकास के मॉडल पर आगे बढ़ रही है. उद्योगों के साथ बेहतर सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा और शहरी सुविधाएं ही किसी क्षेत्र को स्थायी विकास की ओर ले जाती हैं. भोपाल के सतगढ़ी में प्रस्तावित डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्मार्ट इंडस्ट्रियल पार्क का शिलान्यास भी इसी व्यापक औद्योगिक दृष्टि का हिस्सा है. यह परियोजना हजारों नए रोजगार सृजित करेगी और प्रदेश को विनिर्माण तथा निवेश का प्रमुख केंद्र बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी.

मध्य प्रदेश आज जिस गति से औद्योगिक विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है, वह उत्साहवर्धक है. आवश्यकता इस बात की है कि इन परियोजनाओं को समयबद्ध ढंग से पूरा किया जाए, स्थानीय युवाओं को आवश्यक कौशल प्रशिक्षण दिया जाए तथा छोटे और मध्यम उद्योगों को भी इस विकास यात्रा से जोड़ा जाए. यदि यही गति और प्रतिबद्धता बनी रही तो मध्य प्रदेश आने वाले वर्षों में देश के सबसे प्रमुख औद्योगिक और रक्षा उत्पादन केंद्रों में शामिल होगा. यह केवल प्रदेश की उपलब्धि नहीं होगी, बल्कि विकसित भारत के निर्माण की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण योगदान सिद्ध होगी.

चाणक्य के आईने में मंदिर ट्रस्ट का विवाद

लक्ष्मण सिंह
पूर्व सांसद

धर्म तो आप सब समझते हैं अर्थ का तात्पर्य यहाँ तर्क से नहीं है दान से है. इसलिए चाणक्य ने जो अर्थशास्त्र लिखा है वो भी धर्म से अथवा शासक से जुड़े अर्थ अथवा धन से ही है. अभी राम मंदिर में चंदा चोरी की चर्चा पिछले कुछ दिनों से चल रही है. इसे लेकर राजनीतिक दल भी बहुत आक्रामक हैं, जबकि वो तो यह भी कह चुके थे कि राम काल्पनिक हैं. जब राम आपकी नजर में काल्पनिक हैं तो चंदा चोरी पर इतना दर्द क्यों हो रहा है ?

चाणक्य ने अर्थशास्त्र में लिखा है कि राजा के कोष से अगर थोड़ा धन जनता के बीच चला भी जाए, चाहे चोरी से भी गया हो, तो वो पाप नहीं है क्योंकि यह धन जनता के बीच ही खर्च होगा । राम को भी हम राजा ही मानते हैं और उनके द्वारा किए गए बलिदान, त्याग और असुरों का नाश करने के पश्चात हम उन्हें प्रभु राम कहते हैं. रामचरितमानस के रचियता महान संत, लेखक तुलसीदास जी ने भी कहा है - राम नाम की लूट है , लूट सके तो लूट, अंतकाल पछतायेगा जब प्राण जाएंगे छूट। प्रश्न यह उत्पन्न हो होता है कि यह धन जनता के बीच, बाजार में गया है या राजनीतिक दलों के चुनाव लड़ने में खर्च हो रहा है? जांच का असली विषय भी यही है.

अगर बाजार में गया है तो फिर भी वह अर्थव्यवस्था में गया है परन्तु अगर राजनीति में , नेता और उद्योगपतियों के भ्रष्ट गठबंधन में गया है तो यह महा पाप है. विपक्ष को भी यह प्रश्न उठाना चाहिए। राम मंदिर ट्रस्ट वालों को भी चाहिए कि जो राशि कम हुई है उसे पूरा करके जमा करें, संभवत: यह भी चंदे से ही होगी . चंदा नगद लेने के बजाय ऑनलाइन लिया जाए. जब शासन ने सफलता से पेमेंट पूरे देश में लागू किया है और काले धन पर रोक लगाई है तो अयोध्या में क्यों लागू नहीं हुआ?

अभी केवल राममंदिर ट्रस्ट घोटाले की ही चर्चा हो रही है, परन्तु अन्य धर्म के जो ट्रस्ट हैं उनमें हुए घोटालों की भी चर्चा हो, उनका भी राजनीतिक दुरुपयोग तो नहीं हो रहा है? क्योंकि पिछले कुछ वर्षों से हम देख रहे हैं कि चुनावों में कुछ राजनीतिक दल करोड़ों रुपए खर्च करते हैं जो मुख्यत: शराब ठेकेदारों की जेब में जाता है या सोना चांदी के व्यापारियों की जेब में जाता है। इस विषय को भी जाँच के दायरे में शामिल करना चाहिए. अगर चोरी हुआ ये धन इस दिशा में जा रहा है तो विपक्ष इसे राजनीतिक मुद्दा बनाए। इससे संविधान को और देश की अर्थव्यवस्था को सबसे ज्यादा खतरा है. ट्रस्ट के कर्मचारियों की गिरफ्तारी हो चुकी है परन्तु ऐसा प्रतीत होता है और जनता भी कह रही है कि बड़े नाम सामने नहीं आ रहे हैं.

इस विषय को भी बहुत अधिक प्रचारित नहीं करना चाहिए क्योंकि ऐसा करने से हिंदू और सनातन धर्म का अपमान भी होता है. विपक्ष को चाहिए कि वो उन प्रदेशों में जहां भाजपा की सरकार हैं, उनमें हो रहे भ्रष्टाचार पर ही नजर रखे और उन्हें ही उठाते रहें. अगर विपक्ष ये सोचता है कि जनता उन्हें भाजपा से ज्यादा धार्मिक मान लेगी तो ये उनकी भूल है. धर्म के मामले में भाजपा, आरएसएस टीम ए हैं बाकि सब टीम बी या सी हैं, क्योंकि मंदिर निर्माण की लड़ाई में कई कार सेवकों ने पुलिस गोलियां खाई हैं, अगर थोड़ी चंदे की राशि का गबन भी हुआ है तो जिन्होंने बलिदान दिया है , यह उनके जीवन से बड़ा नहीं है.

आशा करता हूं कि सनातन और हिंदू धर्म से जुड़े सभी ट्रस्ट, मंदिरों में और पारदर्शिता आएगी और कैश की जगह ऑनलाइन पेमेंट से ही चंदा लिया जाएगा. ताकि सभी हिंदुओं का सनातन धर्म में विश्वास बना रहे। सनातन धर्म को सबसे बड़ा खतरा यही है.

जय हिंद.

मालवा- निमाड़ की डायरी

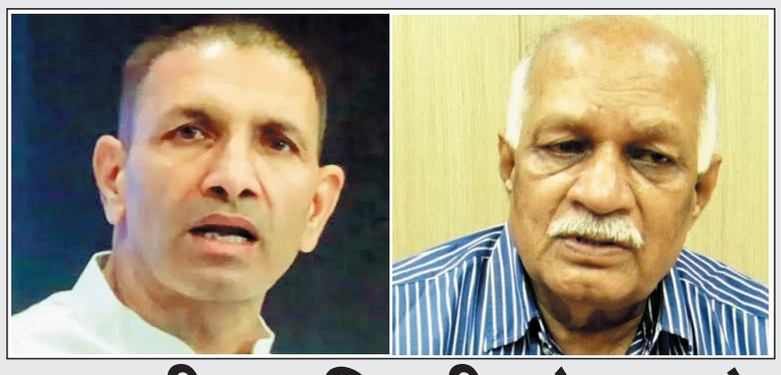

क्या श्रीराम तिवारी को जानने में चूक गए पटवारी...?

संजय व्यास

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष जीतू पटवारी ने जिस शख्स को संघी बताते हुए मुख्यमंत्री मोहन यादव को घेरने की कोशिश की उसमें वे मात खा गए हैं. विगत दिनों दिल्ली पहुंच कर एक पत्रकार वार्ता में जीतू पटवारी ने श्रीराम तिवारी के बहाने मुख्यमंत्री पर भूमि घोटाले के गंभीर आरोप लगाए थे. पटवारी को उनकी पृष्ठभूमि की जानकारी नहीं है. श्रीराम तिवारी कोई अचानक से उभर कर मुख्यमंत्री से नहीं जुड़े हैं. उन पर आरएसएस का तमगा लगाना भी बेबुनियाद है. श्रीराम 80 के दशक में संस्कृति विभाग से जुड़े. तत्कालीन कांग्रेसी मुख्यमंत्री अर्जुन सिंह के वे चहेते रहे और मध्य प्रदेश कला परिषद के अध्यक्ष के तौर पर पदासीन थे.

उन्होंने संस्कृति विभाग की पत्रिका पूर्वाग्रह, कलावार्ता का वर्षों संपादन किया. यह सिलसिला बाद की सरकारों में भी चलता रहा. उन्हें बाद में संस्कृति विभाग ने वीर भारत न्यास का गठन किया तब श्रीराम तिवारी को न्यासी सचिव बनाया था. चूंकि वे उज्जैन से ताल्लुक रखते हैं, सो भाजपा की मोहन यादव सरकार ने महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ के निदेशक की बागडोर सौंपी थी. इसी के साथ श्रीराम तिवारी को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का संस्कृति सलाहकार बनाया गया.

अत: श्री राम की पृष्ठभूमि को देखते हुए जीतू पटवारी का उन्हें संघी बताना निराधार है. यही नहीं वीर भारत न्यास से अनभिज्ञ पटवारी ने अपने आरोप में उसे संघ का बता दिया. इसीलिए दिग्विजय सिंह सहित वरिष्ठ कांग्रेसियों ने पटवारी के आरोपों से किनारा कर लिया.

जीतू को उलझाकर गायब

जीतू पटवारी को ज्ञान देकर मुख्यमंत्री को घेरने की योजना देने वाले तो परिदृश्य से गायब हैं, पर पटवारी खुद उलझ गए हैं. जीतू पटवारी की कानूनी मुसीबत बढ़ सकती हैं. मुख्यमंत्री मोहन यादव और सरकार को घेरते हुए 500 करोड़ रुपए कीमत की जमीन संघ का न्यास बताते हुए वीर भारत न्यास को 1 रुपए में देने के आरोप का उनका दांव उल्टा पड़ गया है.

न्यास के सचिव श्रीराम तिवारी ने पटवारी को 5 करोड़ रुपए मानहानि का कानूनी नोटिस भेज दिया. इसमें सार्वजनिक रूप से आरोप वापस लेने और माफी मांगने को कहा गया है अगर वे ऐसा नहीं करते, तो उन्हें न्यायालय का सामना करना पड़ेगा. यदि न्यास के बारे में सही जानकारी न होने की बात कहकर अपने आरोप वापस लेते हैं तो फजीहत अलग होगी. पार्टी के अन्य नेताओं का इस मामले में पल्ला झाड़ लेने और सहयोग न करने की वजह से जीतू पटवीरी फिलहाल अलग-थलग पड़ गए हैं.

आप, अपना दल... अब शिवसेना

कांग्रेस-भाजपा में होते रहे सीधे मुकाबले के बीच अन्य दलों को मंदसौर जिले में ऐसा क्या नजर आ रहा है कि वे सक्रियता बढ़ा रहे हैं. प्रदेश के मुख्य दोनों दलों के अलावा अन्य की जनता के बीच कोई दखलंदाजी नहीं है, यह जानकर भी विगत कई समय से राजनीतिक पार्टियां यहां पैर पसारने में जुटी हुई हैं. राजस्थान से सटे इस क्षेत्र में वहां की प्रभावशाली भारत आदिवासी पार्टी का प्रयास तो समझ में आता है, पर विभिन्न राज्यों के क्षेत्रीय दल की तैयारी समझ से परे है. उत्तर प्रदेश के अपना दल के बाद अब महाराष्ट्र की शिव सेना (एकनाथ शिंदे) गतिमान नजर आ रही है. हाल ही में यहां शिवसेना युवा सेना के संगठन विस्तार के तहत मंदसौर जिले में विभिन्न पदों पर नियुक्तियों की घोषणा की गई. शिवसेना युवा सेना को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए जनहित एवं संगठन हित में कार्य करने का संदेश भी दिया गया. अब यह इकाई कितना कुछ कर पाती है समय बताएगा. इसके पहले आम आदमी पार्टी भी संगठन विस्तार में यहां कूद चुकी है.

खुले मेनहोल दे रहे मौत को दावत

मुंबई की तूफानी बारिश जनजीवन के लिए खतरा बन जाती है. यह जानते हुए भी मुंबई महापालिका एहतियाती उपाय क्यों नहीं करती? जलमग्न सड़कों में खुले मेनहोल नजर नहीं आते. साकीनाका में एक व्यक्ति की मौत मेनहोल में डूबने से हुई. इसके पहले अगस्त 2017 मे प्रभादेवी के डॉक्टर दीपक अमरापुरकर की बलि मेनहोल ने ली थी. इस समय की 80,000 करोड़ के बजट वाली मुंबई महापालिका की अव्यवस्था का यह आलम है कि लगभग 4500 मेनहोल खुले पड़े हैं. मानसून आने के पहले इन पर कवर या ढक्कन क्यों नहीं लगाया गया ? 2018 से अदालत ने कितनी ही बार महापालिका को इसके लिए फटकार सुनाई है. विद्युत विभाग को भी सतर्क रहना चाहिए क्योंकि मुंब्रा, नवी मुंबई व डोंबिवली में पानी में बिजली का करंट आ गया था. यदि बारिश आने के पहले झुके हुए पुराने वृक्षों को काट दिया जाए तो उनके गिरने से होने वाली दुर्घटना टाली जा सकती है. वृक्ष इसलिए भी जर्जर हो जाते हैं क्योंकि सीमेंट कंक्रीट से उनकी जडों में पानी नही पहुंचता. उतनी जगह खुली रखनी चाहिए. इसका ध्यान ठेकेदार को रखना चाहिए. जहां भारी जलजमाव होता है, वहां बैरिकेड लगाए जाने या झंडी लगाकर लोगों को सतर्क किया जा सकता है. खतरनाक स्थानों की जियो टैगिंग की जा सकती है. एआई से जांच प्रणाली में सुधार लाना संभव है. इसके लिए प्रशासनिक इच्छाशक्ति चाहिए. सडकों, नालों, मेनहोल तथा निर्माण स्थलों का समय-समय पर ऑडिट किया जाना आवश्यक है. महापालिका अधिकारियों को इंसान की जान की कीमत समझनी चाहिए.

80,000 करोड़ के बजट वाली मुंबई महापालिका की अव्यवस्था का यह आलम है कि लगभग 4500 मेनहोल खुले पड़े हैं. मानसून आने के पहले इन पर कवर या ढक्कन क्यों नहीं लगाया गया? 2018 से अदालत ने कितनी ही बार महापालिका को इसके लिए फटकार सुनाई है. विद्युत विभाग को भी सतर्क रहना चाहिए क्योंकि मुंब्रा, नवी मुंबई व डोंबिवली में पानी में बिजली का करंट आ गया था.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

अच्छे दिन का करो इंतजार कभी तो आएगी जीवन में बहार

पड़ोसी ने हमसे कहा, 'निशानेबाज नेताओं ने देश की जनता को वादा किया था कि अच्छे दिन आएंगे. तब से हम लगातार अच्छे दिन का इंतजार कर रहे हैं. अब तो लग रहा है कि इंतेहा हो गई इंतजार की, आई न कुछ खबर मेरे यार की!'

हमने कहा, आप वह गीत सुनते रहिए सीखा ना सबक तूने प्यार का, तू जाने क्या मजा इंतजार का ! इतना मानकर चलिए कि प्रतीक्षा का फल मीठा होता है. आपकी अच्छे दिन की मनोकामना 7 दिन में पूरी होगी. क्योंकि सोमवार से रविवार तक 7 दिन ही होते हैं. इसलिए नमो नमो जपते हुए 7 दिन की भागवत कथा सुनिए.

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, किसी ने हमें बताया कि हर दिन शुभ या अच्छा होता है. इंसान को पॉजिटिव सोच रखते हुए मन को समझाना चाहिए कि जो हुआ वह अच्छा हुआ, आगे और भी अच्छा होगा. परिचितों का अभिवादन कर गुड डे कहो तो वह भी जवाब में गुड

डे कहेंगे. आप चाहें तो गुड डे नामक बिस्किट भी खा सकते हैं.

हमने कहा, यह मत समझिए कि इस देश में लोगों के अच्छे दिन आए ही नहीं. नेताओं को पार्टी बदलने के लिए करोडों रूपये दिए जाते हैं. धर्मस्थल के कर्ताधर्ताओं के पास चढ़ावा रूपी धन की बाढ़ चली आती है. ठेकेदार- इंजीनियर साल में 4 बार एक ही सड़क खोदते और बनवाते हैं. इससे उनके अच्छे दिन कायम रहते हैं. परीक्षाओं के पेपर लीक करने वाले कोचिंग क्लास के बॉस के लिए हर इम्तहान अच्छे दिन लाता है.

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, नेता और उच्चाधिकारी अच्छे दिन का लक्ष्य रखते हुए महामार्ग का मास्टर प्लान बनाते हैं और किसानों की जमीन औने-पौने दाम देकर हथिया लेते हैं. बाद में प्लॉट डालकर वही भूखंड करोड़ों रूपये में बिल्डरों को बेचा जाता है. पुलिस, एक्साइज, पीडब्ल्यूडी, जमीन की रजिस्ट्री करने वाले निबंधक विभाग के लिए हर दिन अच्छा रहता है. चुनाव में नोट के बदले वोट का सौदा करने वालो के लिए भी वह दिन अच्छा रहता है.'

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12311

- डॉ. सागर खादीवाला

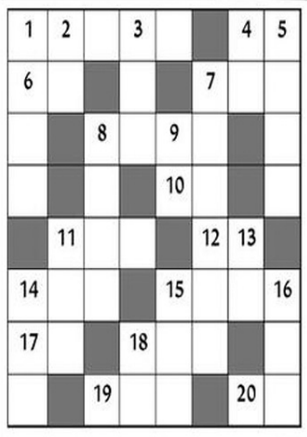

पैगंबर मुहम्मद साहब का जन्मस्थान व मुसलमानों का सर्वप्रधान तीर्थ है 3. गुण वाला, साकार ब्रम्ह, सगुण रूपक की पूजा करने वाला संप्रदाय 4. शत्रु (सं.) 5. बहरापन 7. परीक्षा संबंधी 8. मूंगा, विद्रुम 9. भेदने वाला, गुप्त रहस्य बताने वाला 11. कुरान का वाक्य, रैक्टेंगिल 13. रेखा, पगडंडी, प्रथा 14. शासन करने वाली 15. दरवाजा. द्वार 16. सांप की मादा 18. सहोदर, एक माता से उत्पन्न

बाएं से दाएं

1.जिसका आसन या बैठने का स्थान कमल हो, ब्रम्हा (सं.) 4. इस समय, अभी 6. कबूतर विशेष जो नृत्य करता है 7. घेरा, दायरा 8. रणवाद्य, युद्ध का नगाड़ा 10. गुरुमंत्र, यजन, पवित्र मंत्रीपदेश 11. गले तक 12. मीठी और चरपरी जड़ वाला एक पौधा 14. कदाचित 15. हर्षध्वनि निकालना 17. सफेद, साफ (सं.) 18. बोलने वाला 19. आवश्यक साधन जुटाना 20. झाग, बुदबुद (सं.)

ऊपर से नीचे

1. कल से ढाला गया सिक्का, रुपया 2.अरब का एक प्रधान नगर जो

Solution 12310

चू	स	ना		अ	म	रू	द
हा		म	हा	मा	री		ख
	आ		रा		ज	ली	ल
	च	म	की	ला		ल	
हो	म		री	ल		ना	क
न	न	द		ची	ख		च
हा		क्ष	त		मी	च	ना
र		ता	र	ता	र		र

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में राजनैतिक क्षेत्र में सफलता मिलेगी. सामाजिक कार्यों में व्यस्तता रहेगी. वर्ष के मध्य में मित्रों के साथ रमणीक स्थल की सैर होगी. व्यक्तित्व का विकास होगा, संबंधों में सुधार होगा. वर्ष के अन्त में पारिवारिक विवाद होगा. मन: स्थिति डवाडोल रहेगी. स्वास्थ्यकष्ट होगा. व्यर्थ धन व्यय होगा.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों के राजनीति के क्षेत्र में सफलता मिलेगी. वृष और तुला राशि के व्यक्तियों के स्वास्थ्य में सुधार होगा. कर्क राशि के व्यक्तियों को सामाजिक कार्यों में व्यस्तता रहेगी. धनु और मीन राशि के व्यक्तियों की मित्रों के साथ रमणीक स्थल की सैर होगी.मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को प्रभाव में वृद्धि होगी. मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को मन डवाडोल रहेगा. सिंह राशि के व्यक्तियों को निजी दायित्वों का निर्वहन होगा.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक सुन्दर, सुशील, हष्टपुष्ट तथा बचपन में ज्वर, विकार, निमोनिया आदि से तकलीफ हो सकती है, बाद में स्वास्थ्य अच्छा रहेगा. शिक्षा उत्तम रहेगी. किसी तकनीकी शिक्षा का ज्ञाता होगा.

उदयकालीन ग्रह चाल

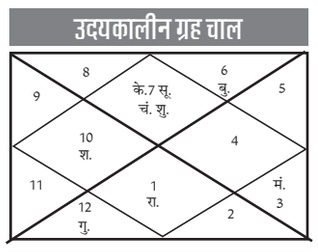

पंचांग

रा.मि. 16 संवत् 2083 आषाढ कृष्ण सप्तमीं भौमवासरे दिन 8/33, उत्तराभाद्रपद नक्षत्रे दिन 12/37, शोभन योगे दिन 11/41, वव करणे सू.उ. 5/14, सू.अ. 6/46, चन्द्रचार मीन, शु.रा. 12, 2,3,6,7,10 अ.रा. 1,4,5,8,9,11 शुभांक-5,7,1

व्यापार भविष्य

आषाढ कृष्ण सप्तमीं को उत्तराभाद्रपद नक्षत्र के प्रभाव से अलसी, अरंडी, बिनौला, मूँगफली, घी तिल, गुड़, खांड़, शक्कर, में तेजी होगी. सभी धातु वस्तुओं में उतार चढाव आयेगा. व्यापार बाजार की लाईन देखकर कार्य करें. भाग्यांक 3720 है.

मेष- परिचितों के कारणआपको कार्य करने में मुश्किल आ सकती है. वाद विवाद हो सकता है, नई योजनाओं का विचार होगा. शुभ सूचना प्राप्त होगी.

वृषभ- पारिवारिक परेशानी दूर होने से शांति मिलेगी. नए लोग आपसे जुड़ने का प्रयास करेंगे. सम्मान में वृद्धि होगी. शत्रु की गतिविधियों पर नजर रखें.

मिथुन- विरोधियों की चाल से नुकसान की संभावना है. सतर्क रहकर कार्य करें. अचानक किसी पारिवारिक जिम्मेदारी का अनुभव होगा. नई योजना से लाभ होगा.

कर्क- अनजान लोगों पर अधिक भरोसा नुकसान में डाल सकता है. फेन पर शुभ संदेश मिलेगा. मकान संपत्ति पर किये गये प्रयास सफल होंगे.

सिंह- जल्दी काम निवटाने के लिये किसी का सहयोग लेना पड़ेगा. नए काम की तलाश में सफलता मिलेगी. व्यवसायिक योजनाओं को बल मिलेगा.

कन्या- साझेदारी में कोई बड़ी योजना शुरू कर सकते हैं. कुटुम्बियों का सहयोग मिलेगा. शिक्षा प्रतियोगिता में चल रहा प्रयास सफल होगा.

तुला- मामूली सी बात पर मित्रों से कहासुनी हो सकती है, बिखरे कार्य समेटने में मदद मिलेगी. संतान का सहयोग मिलेगा. सामाजिक कार्यों में रूचि रहेगी.

वृश्चिक- अपने व्यक्तिगत मामले में दूसरों की दखल से बचें, शिक्षा के मामले में कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेना पड़ेगा. आप परिवर्तन करना चाहते हैं, तो सफलता मिलेगी.

धनु- भौतिक सुख सुविधाओं में वृद्धि होगी. कार्यस्थल की बाधायें दूर होंगी. रहन सहन अच्छा रहेगा. मातापिता का सुख मिलेगा. यात्रा में सफलता प्राप्त होगी.

मकर- आप मन में किसी बात को लेकर भयभीत हो सकते हैं, प्रियजन का साथ आगे बढ़ने में हिम्मत देगा. आर्थिक मामले में प्रगति होगी. घरेलू कार्योंमें व्यस्तता रहेगी.

कुम्भ- व्यापार विस्तार की संभावना बनेगी. कामकाज में देरी हो सकती है. थोडे लाभ में भी वाणी में सौम्यता एवं मधुरता रहेगी. आय का मार्ग सुलभ होगा.

मीन- कार्यक्षेत्र में आ रही दिक्कतें दूर होंगी. छोटे छोटे झगड़े बड़े विवाद का कारण बन सकता है. कार्य बनेगा, जिससे लाभ होगा. उच्चाधिकारियों का सहयोग रहेगा.

SUDOKU 7443

8		4	3	9	7	5		6
3					2			
		7	6	5				4
9	6		5			1		7
5		1	4		9	8		2
4		8					5	3
2				6	1	4		
			7					8
7		9	8	3	5	6		1

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 7442

7	8	4	9	5	2	6	1	3
9	6	2	4	3	1	8	5	7
1	3	5	7	8	6	2	4	9
4	2	3	6	1	5	9	7	8
8	5	9	2	4	7	1	3	6
6	7	1	3	9	8	4	2	5
3	1	7	8	6	4	5	9	2
5	9	6	1	2	3	7	8	4
2	4	8	5	7	9	3	6	1